III

Date: 1/2/2022

कि वह अपनी समस्याओं का हल ढूँढने की प्रक्रिया में वह बहुत कुछ ~~सिखा~~ सीखता है। समझता है। अपने में सुधार करता है। और प्रगति भी करता है।

गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा व्यक्ति या गृहिणी में अपनी समस्याओं को समझने की योग्यता विकसित करती है। ताकि समस्या को समझकर वह उसका हल निकाल सके उसे सुलझा सके।

गृहविज्ञान प्रसार - शिक्षा के उद्देश्य →

किसी भी व्यक्ति की इच्छाओं की प्राप्ति का लक्ष्य बिन्दु ही उसका उद्देश्य होता है। उद्देश्य ही किसी व्यक्ति के कार्यकलापों को सही दिशा प्रदान करता है।

उसका मार्गदर्शन करता है। गृहविज्ञान प्रसार - कार्यकर्ता अपने कार्य में तभी सफल हो सकती है। जब उद्देश्य समक्ष रखकर वह कोई योजना बनाती है। बिना उद्देश्य समक्ष रखे उसकी योजना सही रूप से कार्यान्वित नहीं हो सकती है। न ही उसका सही मूल्यांकन ही हो सकता है।

III

Date: / /

गृहिणियों के सर्वोन्मुखी विकास में सहायता देना →

प्रसार कार्यकर्तियों का प्रमुख उद्देश्य यही होना चाहिए कि यह गृहिणियों के सर्वोन्मुखी विकास में सहायता प्रदान करे। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु आवश्यक है कि वह गृहिणियों की क्षमताओं योग्यताओं को पहचाने। तत्पश्चात उनके व्यावसायिक पारिवारिक एवं सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता प्रदान करे।

ग्रहविज्ञान प्रसार शिक्षा के कार्यक्रम →

ग्रहविज्ञान प्रसार शिक्षा की कार्यकर्तियों का ध्यान ग्रामीण महिलाओं और बच्चों की समस्याओं की ओर विशेष रूप से केन्द्रित रहता है। ये कार्यक्रम निम्नलिखित हैं

1→ माँ एवं शिशु की देखभाल

2→ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता - व्यक्तिगत स्वच्छता एवं पर्यावरण सम्बन्धी स्वच्छता।

3→ बच्चों एवं महिलाओं हेतु सामुदायिक संगठनों का निर्माण।

4→ शिक्षा एवं वयस्क शिक्षा।

प्राचार्य
बीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया